उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉं

माह सितम्बर, 2019

<u>Two Days Workshop on "To Prevent Alcohol & Drug Abuse in the Family/School/College & Community"</u>

उत्तराखंड मुक्त विश्वविध्यालय, हल्द्वानी एवं National Institute of Social Defence, New Delhi (MOSJE, Govt. of india) के सन्युक्त तत्ववाधान में दो दिवसीय कार्यशाला (26-27 सितम्बर) का आयोजन मुक्त विश्वविध्यालय, हल्द्वानी के परिसर मे किया गया।

कार्यशाला का उद्‌घाटन **नैनीताल जिले के एसएसपी श्री सुनील कुमार मीणा एवं विवि के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी जी के द्वारा किया गया।**

कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थीगण

अपने वक्तव्य मे एसएसपी श्री सुनील कुमार मीणा ने विध्यार्थियों को नशे एवं शराब से दूर करने मे माता-पिता के साथ ही शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे मे कहा माता-पिता को अपने बच्चों पर विशेष निगरानी रखनी चाहिये साथ ही शिक्षकों द्वारा विध्यार्थियों को नैतिक ओर सामाजिक शिक्षा भी प्रदान की जानी चाहिये। कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी जी ने अपने वक्तव्य मे कहा कि शिक्षा के द्वारा समाज मे फैली इस बुराई को समाप्त किया जा सकता है। शिक्षकों द्वारा शिक्षा को ब्रह्मास्त्र बना कर विध्यार्थियों को इस नशे एवं शराब की लत से दूर किया जा सकता है।

कार्यशाला सन्योजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने नशे का विध्यार्थी जीवन पर पडने वाले दुष्प्रभाव के विषय मे बताया। समापन सत्र मे सीओ श्री डी.सी.ढोंढियाल ने विध्यार्थियों में बढती नशे एवं शराब की लत के कारणों के बारे मे बताने के साथ ही उनके निराकरण के बारे मे बताया।कार्यशाला मे कुमांऊ मंडल के राजकीय महाविध्यालय के समस्त शिक्षकों के साथ ही एनएसएस व एनसीसी के छात्र उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन संबंधी कार्यवाही

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिस हेतु सम्बन्धित विभागों से आवशयक डाटा प्राप्त कर लिया गया है तथा भाग A का डाटा निर्धारित प्रारूप में भर लिया गया है भाग B को भरने की कार्यवाही प्रगति पर है। इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है ताकि समय रहते राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त किया जा सके।

कार्य परिषद की 25वीं बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 25वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 2 सितंबर, 2019 को सम्पन्न हुई, बैठक में कुल 23 प्रस्तावो पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

बैठक में सर्वप्रथम कार्य परिषद की 24वीं बैठक के निर्णयों पर कृत कार्यवाही पर परिषद द्वारा अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 12वीं बैठक, मान्यता बोर्ड की 7वीं बैठक, तथा विद्या परिषद की 15वीं बैठक की संस्तुतियों का भी अनुमोदन परिषद द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के शैक्षिक पदों पर आरक्षण नीति निर्धारण के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र दिनांक 07 मार्च, 201 द्वारा जारी केन्द्रीय शैक्षिक संस्थाओं अध्यादेश एवं उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या–194/XXXIV(6)/2019-10(01)/2016, दिनांक–26 अप्रैल, 2019 को अंगीकृत किये जाने की सूचना से परिषद अवगत हुई।

शासन के पत्र संख्या–540/XXXIV(6)/2019-01(08)/2012, दिनांक–07 अगस्त, 2019 के माध्यम से संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित 17 पदों को नियमित (अस्थाई) पदों में परिवर्तित किये जाने की सूचना से परिषद को अवगत कराया गया तथा उक्त पदों के सापेक्ष नियुक्त 07 कार्मिकों को नियमितिकरण पर अनुमोदन किया गया।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों हेतु सम्पन्न लिखित परीक्षा, कम्प्यूटर एवं आई0टी0 दक्षता तथा साक्षात्कार दिनांक 30 अगस्त, 2019 के आधार पर चयन समिति की संस्तुतियों का अनुमोदन किया गया।

बैठक कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में ईग्नू नई दिल्ली के उपकुलपति, प्रो0 के0बी0 दास, प्रो0 बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजेज, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राईजेज, नई दिल्ली (वीडियों कोफ्रेंसिंग के माध्यम से)। विश्वविद्यालय की ओर से प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, प्रो0 आर0 सी0 मिश्र, प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रो0 दुर्गेश पंत, प्रो0 पी0डी0 पंत, डॉ0 सूर्यभान सिंह, कुलसचिव श्री भरत सिंह, वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल व उपकुलसचिव विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा दिनांक 10 जून, 2019 से 5 जुलाई, 2019 तक सम्पन्न हुई जिसमें कुल 54,304 परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षाऐं दी गई। समस्त परीक्षा परिणाम 45 दिवसों में, दिनांक 14 सितम्बर, 2019 तक घोषित कर दिये गये है।
- दिसम्बर, 2019 में आयोजित होने वाली परीक्षा हेतु बैक व सुधार परीक्षा आवेदन भरे जाने व परीक्षा केन्द्र परिवर्तन हेतु दिनांक 18 सितम्बर से प्रारम्भ की जा चुकी है जिसकी अन्तिम तिथि 21 अक्टूबर, 2019 निर्धारित की गई है। आवेदन भरे जाने हेतु निर्देश संबंधी सूचना भी विश्वविद्यालय वैबसाइट में उपलब्ध करा दी गई है।
- सितम्बर माह में ऑनलाईन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 52 मूल उपाधियॉ एवं 158 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2019–20 में प्रवेश हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2019 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
- दिनांक 30/09/2019 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक **कुल 69,762 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।**

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पूर्व में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई थी, मा0 कुलपति जी के विशेष प्रयासों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रवेश की तिथि विस्तारित की गई है।
- विश्वविद्यालय में गत वर्ष (2018–19) से इस वर्ष (2019–20) 24,069 प्रवेशार्थियों में वृद्धि हुई है।

Total Admissions (2018-19)- 45,677

Total Admissions (2019-20)- 69,746

कार्मचारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 26 से 28 सितम्बर तक एक उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें WILL & SKILL CREATION (P) LTD. DEHRADUN द्वारा विभागीय कार्य प्रणाली पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 08 नवनियुक्त सहायक क्षेत्रीय निदेशक तथा विश्वविद्यालय के अन्य विभिन्न विभागों में कार्यरत 17 कार्मिकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॉ

मा0 श्री राज्यपाल / कुलाधिपति सचिवालय के पत्र संख्या –2333 / जी0एस0 / शिक्षा / C7-19/2016 दिनांक–24 सितम्बर, 2019 के माध्यम से इस विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह के आयोजन हेतु मा0 श्री राज्यपाल / कुलाधिपति महोदया द्वारा दिनांक–27 नवम्बर, 2019 (बुधवार) हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की गई है।

विश्वविद्यालय में वर्ष 2017-18 (जून) तथा वर्ष 2018-19 में स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि प्रदान की जानी है। इसके साथ ही इन उपाधि धारकों में से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति जी द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये जाने है।

शिक्षक दिवस समारोह

दिनांक 05 सितम्बर 2019 को विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सहारोह के अंतर्गत प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी वरिष्ठ शिक्षक को 'विशिष्ट शिक्षक सम्मान' से अलंकृत किया जाता है। इस वर्ष यह सम्मान वरिष्ठ शिक्षक प्रोफ़ेसर एच.सी.एस.सांगा को प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर एच.पी. शुक्ल द्वारा की गयी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफ़ेसर शुक्ल ने कहा कि भारतीय परम्परा में शिक्षक का विशिष्ट स्थान रहा है। यहाँ मात्र शिक्षकों की परम्परा नहीं है अपितु यहाँ वास्तविक ज्ञान देकर गुरु शिष्य को जीवन के रहस्य से परिचित कराता है। मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर एच.सी.एस.सांगा ने अपने शैक्षिक जीवन से जुड़े विभिन्न शिक्षकों एवं छात्रों

को याद करते हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। कुलसचिव श्री भरतसिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समन्वयन एवं संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशा, अधिकारीगण, शिक्षक एवं कार्मिक उपस्थित थे।

हिंदी दिवस समारोह

दिनांक 14 सितम्बर 2019 को विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर ओ.पी.एस.नेगी द्वारा की गयी। अपने अध्क्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफ़ेसर नेगी ने कहा कि हिन्दी मात्र भौतिक भाषा न होकर सम्पूर्ण राष्ट्र की जातीय चेतना का प्रतीक है। विषय-विमर्श प्रस्तोता के रूप में बोलते हुए प्रोफ़ेसर एच.पी. शुक्ल ने कहा कि महान भाषा संस्कृत के दाय को जिस भाषा ने सर्वाधिक सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया और उस परम्परा का विकास किया, वह भाषा हिन्दी ही है।कुलसचिव श्री भरतसिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समन्वयन एवं

शिक्षक दिवस में सम्बोधित करते कुलपति प्रो0 नेगी।

संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया| इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, अधिकारीगण, शिक्षक एवं कार्मिक उपस्थित थे|

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक1 से 07 सितंबर, 2017

केंद्र सरकार द्वारा स्वस्थ पोषण की आवश्यकता पर जोर देने के लिए सितंबर माह "राष्ट्रीय पोषण माह" के रूप में मनाया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य भारत को कुपोषण से मुक्त करना है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा माननीय कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के दिशा निर्देश पर दिनांक 1-7 सितम्बर के बीच राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया।

*डॉ0 रीता रघुवंशी, अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, पंतनगर **पोषण से सम्बन्धित जानकारी देती हुई।***

इस सप्ताह में विभाग द्वारा पोषण शिक्षा एवं जागरुकता से सम्बंधित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिनांक 02-09-2019 एवं 05-09-2019 को क्रमश: मानपुर पश्चिम क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र में गाँव की पूर्व प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती गीता के सहयोग से तथा ग्राम भगवानपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मनीषा काण्डपाल के सहयोग द्वारा एक जागरुकता शिविर लगाया गया। आहार एवं पोषण विभाग के शिक्षक डा0 प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से सम्बन्धित जानकारी देने के साथ-साथ पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी गई। साथ में उन्हें स्वस्थ जीवन में स्वच्छता का महत्व तथा शिशुओं के लिए पूरक आहार के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रेडियो विभाग की परामर्शदाता श्रीमती सुनीता भास्कर द्वारा आंगनबाड़ी लाभार्थियों से बातचीत भी की गई।

दिनांक 04-09-2019 को विभाग द्वारा गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बीज वक्ता के रूप में डॉ0 रीता रघुवंशी, अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, पंतनगर को आमंत्रित किया गया। डॉ0 रघुवंशी द्वारा पोषण माह की थीम "सही पोषण-देश रोशन" पर वक्तव्य दिया गया। विभाग द्वारा सप्ताह में विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल "हैलो हल्द्वानी" के माध्यम से विभिन्न रेडियो कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए जिसमें आयुर्वेदाचार्य डॉ0 वंदना पाठक द्वारा "आहार, पोषण एवं आयुर्वेद" तथा डॉ0 प्रीति बोरा द्वारा "एनीमिया में उचित पोषण" विषय पर रेडियो व्याख्यान दिए गए।

विश्वविद्यालय के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक कार्मिकों के लिए पोषण सप्ताह में एक आहार परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ0 दीप्ती सलूजा, डायटीशियन, मैट्रोसिटी अस्पताल, रुद्रपुर द्वारा "आहार एवं शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता" विषय पर व्याख्यान दिया गया तथा श्रोताओं की आहार सम्बंधी समस्याओं का समाधान भी किया गया। सप्ताहंत में विभाग द्वारा एक पोषण क्विज का भी आयोजन किया गया। पोषण क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से आहार एवं पोषण से सम्बंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए। क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

द्वितीय पूर्व छात्र सम्मेलन (2nd Alumni Meet)

दिनांक 18 सितंबर, 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में द्वितीय पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 90 पूर्व

विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन में पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

सम्मेलन में पूर्व सचिव, रेखा बिष्ट द्वारा पूर्व छात्र समिति द्वारा किये गये विगत वर्षों के कार्यों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई।

प्रो० पी०डी० पंत अपने छात्र जीवन के कार्य अनुभव साझा करते हुये।

कार्यक्रम के अगले क्रम में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० आर० सी० मिश्र द्वारा पंजीकरण से सम्बन्धित सुझाव दिये गये। परीक्षा नियंत्रक प्रो० पी०डी० पंत ने पुर्व छात्र समिति से सम्बन्धित अपने छात्र जीवन के कार्य अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया जिसमें सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया-

अध्यक्ष- भारत नैनवाल

उपाध्यक्ष- आन सिंह मटियाली

सचिव-रवि कुरिया

कोषाध्यक्ष-नेहा अग्रवाल

कार्यकारिणी के सदस्य-दीपक कुमार पंत, प्रकाश चन्द्र, दीपक चन्द्र भट्ट, अखलेश कुमार, रीता रौतेला, गणेश चन्द्र जोशी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, प्रो० एच०पी० शुक्ल द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ० भानु जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव भरत सिंह तथा कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य मौजूद रहे।

शोध एवं नवाचार

प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के शोधार्थी श्री दीप चन्द्रा, (नामांकन संख्या–13040440), की विभागीय शोध सलाहकार समिति की बैठक, दिनांक **16 सितम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं। बैठक में समिति द्वारा शोधार्थी की मौखिकी परीक्षा का आयोजन कराये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती उमा पाण्डेय पडलिया, (नामांकन संख्या–13040448), की विभागीय शोध सलाहकार समिति की बैठक, दिनांक **18 सितम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं। बैठक में समिति द्वारा शोधार्थी की मौखिकी परीक्षा का आयोजन कराये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी।

पीएच0डी0 साक्षात्कार परीक्षा–2018 में उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिन्होंने शोध एवं नवाचार निदेशालय में आकर अपने प्रवेश आवेदन प्रपत्र जमा किये गये थे, उन समस्त अभ्यर्थियों का विवरण जिनका डाटा विश्वविद्यालय एस0आई0एस0 में प्रविष्ट कर दिया गया है।

योग कार्यशाला

योग विभाग द्वारा सितम्बर माह् में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी –

क्रम संख्या	विषय	दिनांक	कुल प्रतिभागी
1	एम0 ए0 योग प्रथम वर्ष/ योग विज्ञान डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष(Back) (MAY-1st /DYS/ BA 1st year)	21 सितम्बर 2019 से 30 सितम्बर 2019 तक तथा प्रयोगात्मक परीक्षा 1 अक्टूबर 2019	92
2	एम0 ए0 योग द्वितीय वर्ष (MAY-17)	21 सितम्बर 2019 से 30 सितम्बर 2019 तक तथा प्रयोगात्मक परीक्षा 1 अक्टूबर 2019	254
		कुल-	346

उपर्युक्त कार्यशालाओं में देश के विविध राज्यों से आयें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विविध अध्ययन केन्द्रों के महिला एवं पुरूष शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का शुभारम्भ दिनांक 21 सितम्बर 2019 को वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में किया गया । उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ ।

प्रयोगात्मक सत्रों
में कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशा- निर्देश तथा विश्वविद्यालय के सहा०योग प्रशिक्षक श्री यशवन्त बहुगुणा के कुशल नेत्रत्व में प्रातःकाल कुल 12 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया ।सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये । प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई।

योग कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला । जिसमें डा० अमृत लाल गुरूर्वेद्र , एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विष्वविद्यालय,हरिद्वार , निसर्गाचार्य डी0 एन0 शर्मा, ममता पंत योग विभाग राज0 एम0 बी0पी0 जी0 कालेज,हल्द्वानी, प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज गुरूकुल कागडी विश्वविद्यालय , हरिद्वार ,डा0 रश्मि शर्मा देवसंस्कृति विष्वविद्यालय, हरिद्वार, डा0 अनुराधा कोटनाला देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा0 महेन्द्र कुमार मलानी पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा० जी०एस० ठाकुर, विभागाध्यक्ष योग एच०ए०बी केन्द्रिय विश्वविद्यालय गढवाल तथा विद्यार्थीयों की प्रयोगात्मक परीक्षा डा० उघम सिंह गुरूकुल कागडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा0 महेन्द्र कुमार मलानी पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार व डा० जी०एस० ठाकुर, विभागाध्यक्ष योग एच०ए०बी केन्द्रिय विश्वविद्यालय

गढवाल के द्वारा सम्पादित की गई । इसके अलावा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी ने समय –समय पर अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

दिनांक 29 सितम्बर को विश्वविद्यालय के कुलपति जी प्रो0 ओ0पी0 एस0 नेगी जी वेद निकेतन धाम हरिद्वार में पहुच कर सभी विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया तथा समाज के सभी वर्ग को जीवन में हमेशा योग को अपनाने का आग्रह भी किया व साथ ही साथ यह भी बताया की आज के समय में योग का मनुष्य के शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत करने में कितना अहम योगदान है ।

योग कार्यशाला को सम्बोधित करते कुलपति प्रो0 नेगी।

<u>अकादमिक गतिविधियॉ</u>

- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 6-7 सितम्बर 2019 को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय मेसूरू द्वारा भारत भारत के समस्त मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के शिविर सम्मेलन में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ0 सुचित्रा अवस्थी (सहायक प्रध्यापक) अंग्रेजी द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 2019 से 24 सितम्बर 2019 तक UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा Refresher Course में प्रतिभाग किया।

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी (सहायक प्राध्यापक) ज्योतिष द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 2019 से 24 सितम्बर 2019 तक UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा Refresher Course में प्रतिभाग किया।
- डॉ हरीश चन्द्र जोशी (सहायक प्राध्यापक) वानिकी द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 2019 से 24 सितम्बर 2019 तक UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा Refresher Course में प्रतिभाग किया।
- दिनांक 25/ 09/2019 से 28/09/2019 तक हल्द्वानी परिसर तथा दिनांक 01/ 10/2019 से 05/10/2019 तक देहरादून में, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा मास्टर डिग्री और पीजी डिप्लोमा पाठयक्रमों के अंतिम सत्र के विद्यार्थियों के लिए मीडिया और संचार शोध पर चार दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

अन्य गतिविधियाँ

- विश्वविद्यालय को यूजीसी के मानक 12 बी में लाने हेतु जरूरी संसाधनों को पूरा करने की प्रक्रिया गतिमान है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये 4.50 करोड़ के प्रोजेक्ट को शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जिससे कुलपति आवास, गेस्ट हाउस तथा एक मल्टी पर्पज हॉल का निर्माण कराया जाना है। शासन द्वारा निर्माण की जिम्मेदारी कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड को दी गई है।
- माह सितम्बर, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, वर्ष 2019-20 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। **(संलग्नक-क)**

****

संलग्नक-क

अमर उजाला

यूओयू तैयार कर सकता है विशेष बच्चों के लिए कोर्स

विश्वविद्यालय सभागार में शुरू हुई पांच दिवसीय कार्यशाला में मंथन

माई सिटी रिपोर्टर

हल्द्वानी। विशेष बच्चों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने को लेकर भारतीय पुनर्वास परिषद और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई।

कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि हमें विशेष छात्रों की आवश्यकतानुसार ही आधुनिक तकनीकी को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करना होगा, तभी हम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं। मानविकी एवं शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एचपी शुक्ल ने कहा कि हमें समयानुसार अपने समाज और संस्कृति को भी ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। एमबीपीजी कॉलेज की मनोविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. रश्मि पंत ने कहा कि हमें पाठ्यक्रम में व्यवहारिकता लानी होगी। बाल विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा पांडेय ने कहा कि बच्चों के व्यवहार शारीरिक वृद्धि और विकास को ध्यान में रखते हुए भी विशेष बच्चों के लिए पाठ्यक्रम तैयार होना चाहिए। संचालन डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया। इस दौरान डॉ. कल्पना पाटनी, डॉ. राकेश रयाल आदि थे।

यूओयू में 30 सितंबर तक होंगे प्रवेश

हल्द्वानी। यूजीसी से अनुमति मिलने पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रवेश तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। सभी नये एवं पुराने छात्र-छात्राएं बिना विलंब शुल्क के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे। मुक्त विश्वविद्यालय में नये सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया 31 अगस्त को बंद हो गई थी। यह तिथि यूजीसी द्वारा निर्धारित की गई थी।

इधर, कुमाऊं विश्वविद्यालय समेत दूसरे विश्वविद्यालयों में प्रवेश न मिल पाने के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थी यूओयू में भी प्रवेश पाने से वंचित रह गए थे। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने यूजीसी और मानव संसाधन मंत्रालय को पत्र भेज कर राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए प्रवेश तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया था। इस पर यूजीसी द्वारा देशभर के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया गया। कुलपति प्रो. नेगी ने यूजीसी का आभार जताते हुए कहा कि जो विद्यार्थी किन्हीं कारणों से प्रवेश नहीं ले पाए थे, शीघ्र प्रवेश ले लें। पीआरओ डा. राकेश रयाल ने बताया कि अब तक यूओयू में 58,793 छात्र- छात्राएं प्रवेश ले चुके हैं जो अब लगभग 80 हजार तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रदेश के आठ हजार छात्रों को मिली राहत

अमर उजाला इंपैक्ट

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आठ हजार छात्रों के लिए पीजी दाखिलों की राह खुल गई है। यूजीसी ने मुक्त विवि में दाखिलों की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। मुक्त विवि में पीजी एडमिशन की तारीख 31 अगस्त को समाप्त हो चुकी थी। जबकि कुमाऊं विवि, गढ़वाल विवि और श्रीदेव सुमन विवि के ग्रेजुएशन के रिजल्ट अभी तक भी नहीं आए हैं। इस वजह से आठ हजार से ज्यादा छात्र दाखिले से वंचित रह गए थे। अमर उजाला ने बुधवार के अंक में 'दाखिले से वंचित रह गए आठ हजार छात्र' खबर प्रकाशित की थी। बुधवार को ही यूजीसी ने विवि में दाखिलों की तिथि बढ़ा दी। अब 30 सितंबर तक छात्र एडमिशन ले सकते हैं।

दैनिक जागरण

यूओयू में अब 30 सितंबर तक होंगे प्रवेश

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में प्रवेश की तिथि बढ़ा दी गई है। यूओयू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश से वंचित रह गए छात्र अब 30 सितंबर तक एडमिशन ले सकते हैं।

यूओयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के विशेष प्रयासों से यह संभव हो सका है। कुलपति की ओर से प्रवेश तिथि बढ़ाने को लेकर कई बार यूजीसी व मानव संसाधन मंत्रालय में पत्राचार किया गया। साथ ही प्रवेश लेने से वंचित रह गए छात्र- छात्राओं की दिक्कतों के बारे में बताया। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि यूओयू व राज्य के कई विश्वविद्यालयों में अभी परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हो सके हैं। ऐसे में जो छात्र-छात्राएं यूओयू में प्रवेश लेना चाह रहे थे, वे प्रवेश नहीं ले सके थे। बताया कि नए सत्र के लिए अब तक 58,793 छात्र- छात्राएं प्रवेश ले चुके हैं।

खुशखबरी

- **अब तक 58,793 छात्र-छात्राएं ले चुके हैं एडमिशन**
- **मुक्त विवि ने प्रवेश तिथि बढ़ाने की दी अनुमति**

आधुनिक तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार करेंगे पाठ्यक्रम

जासं, हल्द्वानी: भारतीय पुनर्वास परिषद दिल्ली व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी की ओर से विशेष बच्चों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। पाठ्यक्रम पर चर्चा को लेकर यूओयू के सभागार में पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई है।

कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि विशेष छात्रों के लिए पाठ्यक्रम उनकी आवश्यकतानुसार ही आधुनिक तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। इसके लिए हम प्रयासरत हैं। बेहतर पाठ्यक्रम के जरिये विशेष बच्चे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। मानविकी एवं शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एचपी शुक्ल ने कहा कि हमें समय के अनुसार अपने समाज और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करना होगा। मनोविज्ञान के विशेषज्ञ व सह आचार्य डॉ. रश्मि पंत ने कहा कि पाठ्यक्रम में व्यावहारिकता लानी होगी। बाल विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा पांडेय ने कहा कि बच्चों के व्यवहार, शारीरिक वृद्धि व विकास को ध्यान में रखते हुये पाठ्यक्रम तैयार होना चाहिए। कार्यशाला का संचालन संयोजक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया। इस मौके पर डॉ. कल्पना पाटनी, डॉ. राकेश रयाल आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू में प्रवेश तिथि 30 तक बढ़ी

हल्द्वानी। यूजीसी ने यूओयू की प्रवेश तिथि 30 सितम्बर कर दी है। विवि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के प्रयासों के बाद यूजीसी ने यह अनुमति प्रदान की है। यूओयू में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई थी। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि यूओयू और राज्य के कई अन्य विश्वविद्यालयों में अभी परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हैं। ऐसे में जो छात्र-छात्राएं यूओयू में प्रवेश चाह रहे हैं, वे वंचित रह गए। उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए विवि ने यह प्रयास किया। कहा कि अबतक विश्वविद्यालय में 58793 छात्र-छात्राएं प्रवेश ले चुके हैं। तिथि बढ़ने के बाद संख्या 80 हजार तक पहुंच सकती है।

दिव्यांगों के लिए आधुनिक पाठ्यक्रम बनाएं: प्रो. नेगी

हल्द्वानी। भारतीय पुनर्वास परिषद दिल्ली और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की संयुक्त पहल पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम बनाने को पांच दिनी कार्यशाला शुरू हो गई है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए यूओयू कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि आधुनिक तकनीक को ध्यान में रखते हुए दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना होगा। बेहतर पाठ्यक्रम तैयार कर ही हम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं। यूओयू सभगार में कार्यशाला के दौरान प्रो. नेगी ने कहा कि दिव्यांगों की समस्याएं समझकर उनके मुताबिक पाठ्यक्रम बनाया जाए। यहां शिक्षा विद्याशाखा निदेशक प्रो. एचपी शुक्ल, डॉ. रश्मि पंत, डॉ. अपर्णा पांडेय, डॉ कल्पना पाटनी, डॉ राकेश रयाल आदि रहे।

दैनिक जागरण

यूओयू में 4.5 करोड़ से बनेंगे आवास

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को यूजीसी के मानक 12बी में लाने के लिए जरूरी संसाधनों को पूरा करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किए गए साढ़े चार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को शासन ने हरी झंडी दे दी है। अब जल्द ही निर्माण कार्य भी आरंभ हो जाएगा। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में 20 कमरों का गेस्ट हाउस बनाया जाना है। इसके अलावा कुलपति आवास समेत कई अन्य निर्माण कार्य शुरू किए जाने हैं। यूजीसी के नियमों में खरा उतरने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में इस तरह का निर्माण अनिवार्य है। इसके लिए कुलपति प्रो. ओम प्रकाश नेगी ने ज्वाइन करने के बाद ही पहल शुरू कर दी थी। अब इधर शासन ने भी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। इसकी लागत लगभग 4.50 करोड़ रुपये है। शासन ने निर्माण की जिम्मेदारी कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड को दी है।

पॉजिटिव न्यूज 3

हरी झंडी

- परिसर में गेस्ट हाउस समेत वीसी के आवास का भी होगा निर्माण
- यूजीसी के 12बी में आने के लिए शासन ने दी बजट की स्वीकृति

12 बी श्रेणी में आने से विवि को मिलेगी आर्थिक मदद

विश्वविद्यालय के यूजीसी के मानक 12बी में शामिल होने पर आर्थिक मदद भी मिलेगी। संसाधन उपलब्ध होंगे। नए कोर्स के साथ नई फैकल्टी भी मिलेगी। इससे विश्वविद्यालय की साख बढ़ेगी।

शुरुआत से मैंने विश्वविद्यालय को यूजीसी के 12बी में शामिल करने के काम को प्राथमिकता में रखा है। इसके लिए डीपीआर भी स्वीकृत हो चुकी है। साथ ही अब बजट स्वीकृत हो चुका है। शासन से वर्क आर्डर मिलने पर जल्द काम शुरू हो जाएगा।

–**प्रो . ओपीएस नेगी**, कुलपति, यूओयू

यूओयू में 37 पदों पर होगी शिक्षकों की नियुक्ति

हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में कई विषयों में असिस्टेंट, एसोसिएट व प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय ने वेबसाइट में भी आवेदन फार्म अपलोड कर दिया है। यूजीसी के मानकों पर खरा उतरने के लिए विश्वविद्यालय ने पूरी तैयारी की है। फैकल्टी के पदों को भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। कुलपति प्रो . ओम प्रकाश सिंह नेगी ने बताया कि सबसे पहले सभी विषयों में फैकल्टी की कमी को दूर करना है। इसके लिए 19 असिस्टेंट प्रोफेसर, 10 एसोसिएट प्रोफेसर और आठ पदों पर प्रोफेसरों की नियुक्ति की जानी है। विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। 25 अक्टूबर तक फार्म भरे जा सकते हैं। इसके अलावा आवेदकों को 11 नवंबर तक हॉर्ड कॉपी विश्वविद्यालय परिसर में जमा करनी होगी। उन्होंने बताया कि अगर अधिकांश विषयों में फैकल्टी की नियुक्ति हो जाएगी तो नए विषय खुल सकेंगे। कई विभागों में पीएचडी कोर्स शुरू हो सकेंगे।

अमर उजाला

छात्रों को नशे से दूर करने में माता पिता की अहम भूमिकाः एसएसपी

यूओयू में नशा मुक्ति अभियान पर कार्यशाला

कार्यशाला के दौरान विचार रखते प्रो. एचपी शुक्ल।

हल्द्वानी। राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय सभागार में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत 'परिवार, समाज, स्कूल एवं कालेजों में बढ़ रहे नशे के प्रचलन को कैसे समाप्त किया जाए' विषय पर कार्यशाला शुरू हुई।

उद्घाटन सत्र में एसएसपी सुनील कुमार मीणा ने कहा कि विद्यार्थियों को नशे से दूर करने में माता पिता तथा शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति का अभियान घर से शिक्षण संस्थानों और शिक्षण संस्थानों से समाज तक जब तक नहीं चलेगा तब इसे खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को एक विशेष अवस्था में बच्चों पर विशेष निगरानी रखनी चाहिए। दूसरी जिम्मेदारी शिक्षकों की है, वे अपने छात्रों को नैतिक और सामाजिक शिक्षा प्रदान करें। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा ब्रह्मास्त्र है जो समाज को इस ज्वलंत समस्या से निदान दिला सकती है। मानवीकि विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एचपी शुक्ल ने कहा कि कोई भी संसाधन या सुविधाओं का अति दोहन व्यसन का रूप ले लेती हैं, इससे बचने के लिए जागरूकता जरूरी है। संचालन डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया। इस मौके पर डॉ कल्पना पाटनी लखेडा, डॉ. मदन मोहन जोशी, डॉ. दिनेश कुमार, राजेश कुमार एवं डॉ. राकेश रयाल आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान

नैनवाल अध्यक्ष, कुरिया सचिव बने

पूर्व छात्र सम्मेलन

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व छात्र समिति की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। भरत नैनवाल को अध्यक्ष व रवि कुरिया को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दूसरे पूर्व छात्र सम्मेलन में 90 पूर्व विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सम्मेलन में पूर्व सचिव रेखा बिष्ट ने पूर्व छात्र समिति के विगत वर्ष के कार्यों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरसी मिश्र ने समिति के पंजीकरण को लेकर पूर्व छात्रों को सुझाव दिए। परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत ने पूर्व छात्र समिति से अपने छात्र जीवन के कार्य अनुभवों को साझा किया। दूसरे सत्र में पूर्व छात्र समिति कार्यकारिणी चुनाव हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से भारत नैनवाल अध्यक्ष, आन सिंह मटियाली उपाध्यक्ष, रवि कुरिया सचिव चुने गए।

उत्तराखंड मुक्त विवि मे पूर्व छात्र सम्मेलन में मौजूद पदाधिकारी और अतिथि।

हिन्दुस्तान

यूओयू की सुधार-बैक परीक्षा के आवेदन शुरू

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की दिसम्बर 2019 में होने वाली बैक और अंक सुधार परीक्षा के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। फार्म ऑफलाइन, ऑनलाइन दोनों तरह से भरे जा सकते हैं। छात्र इन सभी परीक्षाओं के लिए 21 अक्तूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत ने बताया सभी परीक्षा केन्द्रों के नाम और कोड विवि की वेबसाइट पर हैं। कोई अपना परीक्षा केन्द्र बदलना चाहता है तो वह भी 18 तक बदल सकता है। उन्होंने कहा दिसम्बर 2019 की परीक्षा के लिए जिन छात्र-छात्राओं ने थौलधार, चिन्यालीसौड़, आराकोट, कुणजखाल केमर, पुरौला केन्द्र चुना था, वह वेबसाइट पर दिए केन्द्रों के मुताबिक परीक्षा केन्द्र बदल लें। उन्होंने कहा कि मुख्य परीक्षा जून 2019 के सभी परीक्षाफल घोषित कर दिए गए हैं।

हिन्दुस्तान

यूओयू की सुधार-बैक परीक्षा के आवेदन शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की दिसम्बर 2019 में होने वाली बैक और अंक सुधार परीक्षा के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। फार्म ऑफलाइन, ऑनलाइन दोनों तरह से भरे जा सकते हैं। छात्र इन सभी परीक्षाओं के लिए 21 अक्तूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों के नाम और कोड विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर हैं। छात्र सुविधानुसार आवेदन पत्र पर केन्द्र का कोड या नाम अंकित कर सकते हैं। कोई अपना परीक्षा केन्द्र बदलना चाहता है तो वह भी 18 तक बदल सकता है। उन्होंने कहा कि दिसम्बर 2019 की परीक्षा के लिए जिन छात्र-छात्राओं ने थौलधार, चिन्यालीसौड़, आराकोट, कुणजखाल केमर, पुरौला केन्द्र चुना था, वह वेबसाइट पर दिए केन्द्रों के मुताबिक परीक्षा केन्द्र बदल लें। कहा कि सभी परीक्षाफल घोषित कर दिए गए हैं।